पाठ 5. एक कुत्ता एक मैना

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी जी द्वारा लिखे इस संस्मरण में कुत्ता और मैना के विषय में कवींद्र रबींद्रनाथ टैगोर के अनुभवों का वर्णन हमें मानवेतर प्राणियों की सूक्ष्म संवेदनशीलता के मधुर संसार की सैर कराता है।

पाठ का सार

कवींद्र रबींद्रनाथ ठाकुर के निकट संपर्क में रहे आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी जी का यह संस्मरणात्मक लेख यहाँ प्रस्तुत है। लेख में दो बिंदु विशेष रूप से उभरकर आए हैं। एक कुत्ते के विषय में, दूसरा मैना के विषय में।

रबींद्रनाथ टैगोर किसी कारणवश शांतिनिकेतन को छोड़ जब श्रीनिकेतन में गए तो उनका कुत्ता बिना किसी से प्राप्त मार्गदर्शन के सहजबोध से वहाँ पहुँच जाता है। टैगोर द्विवेदी जी को बताते हैं कि यह कुत्ता कहा जाने वाला प्राणी कितना संवेदनशील है। यहाँ तक कि जब तक वे इसे अपने स्पर्श से स्नेह नहीं देते, यह तृप्त नहीं होता।

इसी प्राणी के विषय में पाठ आगे चलकर बताता है कि जब रबींद्रनाथ जी के स्वर्गवास के बाद उनका अस्थि कलश यहाँ लाकर रखा गया तो कैसे वही कुत्ता वहाँ आकर द्वार पर बैठ गया। एक मैना की करुण आँखों की ओर भी रबींद्रनाथ ने द्विवेदी जी को विशेष संकेत दिया था कि इसकी आँखों को देखो। द्विवेदी जी यहाँ बताना चाहते हैं कि एक बड़े कवि की दृष्टि किन अर्थों में सामान्य व्यक्ति से अलग और विशिष्ट होती है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  पाठ को पढ़ाने से पूर्व कक्षा में वातावरण निर्माण के लिए संक्षेप में रबींद्रनाथ ठाकुर, शांतिनिकेतन और आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी जी के बारे में कुछ बातें बताते हुए पशु-पक्षियों की संवेदनशीलता के कुछ ऐसे उदाहरण दें जो बच्चों को पाठ के संदर्भों से जोड़ सकें। तदंतर वाचन, शब्दार्थ व स्पष्टीकरण किया जाए। प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के स्वभाव और स्वरूप के अनुरूप सृजित किए जाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 40** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - बच्चों को समझाएँ कि वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा शब्दों के वचन का प्रभाव वाक्य की क्रिया व संज्ञा शब्दों के साथ प्रयुक्त विशेषणों पर भी पड़ सकता है। उदाहरण देकर इसे विस्तार से समझाया जा सकता है।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - सालिम अली महान पक्षी वैज्ञानिक थे। उनकी जीवनी से संबंधित पुस्तकें व उनके द्वारा लिखित पुस्तकें स्कूल की लाइब्रेरी में उपलब्ध कराएँ।

- ❖ 'डिस्कवरी चैनल' पर पक्षियों से संबंधित प्रोग्राम देखने के लिए बच्चों को प्रेरित किया जा सकता है।
- ❖ पशु-पक्षियों के संदर्भ में पत्र लिखे जाने के उपरांत उनमें से कुछ रोचक पत्रों को कक्षा में पढ़कर सुनाया जाए ताकि अच्छा लिखने वाले का मनोबल बढ़े और शेष बच्चे प्रेरणा भी ले सकें।